MONTHLY SYLLABUS

SESSION-2016-17

CLASS-XI

विषय–व्यवसाय अध्ययन

माह	विषयवस्तु
जुलाई 2016	**इकाई–1 : व्यवसाय की प्रकृति एवं उद्देश्य** ● व्यवसाय की अवधारणा (अर्थ तथा विशेषताएँ)। ● व्यवसाय, पेशा तथा रोजगार (अर्थ तथा उनके विशिष्ट लक्षण)। ● व्यवसाय के उद्देश्य (आर्थिक एवं सामाजक तथा लाभ की व्यवसाय में भूमिका)। ● व्यवसायिक क्रियाओं का वर्गीकरण : उद्योग एवं वाणिज्य। ● उद्योगों के प्रकार : प्राथमिक, द्वितीयक तथा तृतीयक – अर्थ तथा उप–प्रकार। ● वाणिज्य : व्यापार (प्रकार–आंतरिक, बाह्य, थोक और फुटकर)। ● व्यापार की सहायक सेवाएँ (बैंकिंग, बीमा, परिवहन, गोदाम, संचार और विज्ञापन) व्यवसायिक जोखिम–अर्थ, प्रकृति और कारण। **इकाई–2 : व्यवसायिक संगठन के प्रारूप** ● एकल स्वामित्व : अवधारणा, गुण एवम् सीमाएँ। ● साझेदारी : अवधारणा, प्रकार, गुण और सीमाएँ, साझेदारी फर्मों का पंजीकरण, साझेदारी विलेख। साझेदारों के प्रकार। ● संयुक्त हिन्दी परिवार व्यवसाय : अवधारणा (अर्थ तथा विशेषताएँ)। ● सहकारी समितियाँ : अवधारणा, प्रकार, गुण और सीमाएँ।

	• कम्पनी : अवधारणा, गुण और सीमाएँ, प्रकार : निजी तथा सार्वजनिक कम्पनी – अवधारणा, गुण और सीमाएँ।
अगस्त 2017	• कम्पनी का निर्माण : चरण, महत्वपूर्ण विलेख (पार्षद सीमा नियम, पार्षद अंतर्नियम, समामेलन का प्रमाणपत्र तथा व्यवसाय का आरंभ करने का प्रमाण-पत्र) • व्यवसायिक संगठन के स्वरूप का चुनाव (प्रभावित करने वाले कारक) **इकाई-3 : सार्वजनिक, निजी एवं भूमंडलीय उपक्रम।** • सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के उद्यम – अवधारणा • सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के स्वरूप – विभागीय उपक्रम, वैधानिक उपक्रम तथा सरकारी कम्पनी (उनकी विशेषताएँ, गुण और सीमाएँ)। • सार्वजनिक क्षेत्र की बदलती भूमिका। • भूमंडलीय उपक्रम, संयुक्त उपक्रम, सार्वजनिक निजी साझेदारी – अवधारणा। **इकाई-4 : व्यावसायिक सेवाएँ** • बैंकिंग : बैंक खातों के प्रकार – बचत, चालू, आवर्ती, स्थाई जमा तथा बहुविकल्पीय जमा खाते। • बैंकिंग सेवाएँ : बैंक ड्राफ्ट जारी करना, बैंकर्स चैक (पे आर्डर), आरटीजीएस (रीयल टाइम ग्रौस भुगतान), एनईएफटी (राष्ट्रीय इलैक्ट्रॉनिक निधि स्थानांतरण), बैंक अधिविकर्ष, नकद साख तथा ई-बैंकिंग के विशेष संदर्भ में। • बीमा : सिद्धांत, प्रकार-जीवन, स्वास्थ्य, अग्नि व सामुद्रिक बीमा-अवधारणा। • डाक व टेलिकॉम सेवाएँ – मेल, यूपीसी (अंडर पोस्टल

	सर्टिफिकेट), रजिस्टर्ड डाक, पार्सल, स्पीड पोस्ट तथा कोरियर एवम् अन्य सेवाएँ।
सितम्बर 2016	**इकाई–5 : व्यवसाय की उभरती पद्धतियाँ** ● ई–व्यवसाय : कार्यक्षेत्र एवं लाभ, ई–व्यवसाय के सफल कार्यान्वयन के लिए आवश्यक संसाधन, ऑनलाईन लेन–देन, भुगतान तंत्र, व्यावसायिक लेन–देनों की सुनिश्चितता एवं सुरक्षा। ● बाह्य स्त्रोतीकरण – अवधारणा : व्यवसाय प्रक्रिया बाह्यस्त्रोतीकरण (BPO) तथा प्रक्रिया बाह्यस्त्रोतीकरण (KPO) – अवधारणा, आवश्यकता एवं कार्यक्षेत्र। स्मार्ट कार्ड तथा एटीएम (ATM) का अर्थ एवम् उपयोगिता। ● ए.ए.–1 (SA-1) हेतु पुनरावृत्ति कार्य
अक्टूबर 2016	**एस.ए.–1 में आए प्रश्न पत्र पर चर्चा** **इकाई–6 : व्यवसाय का सामाजिक उत्तरदायित्व एवम् व्यावसायिक नैतिकता** ● सामाजिक उत्तरदायित्व की अवधारणा, सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए तर्क। स्वामियों, विनियोगकर्त्ताओं, कर्मचारियों, उपभोक्ताओं, सरकार तथा समाज के प्रति उत्तरदायित्व। ● पर्यावरण संरक्षण तथा व्यवसाय : अर्थ तथा भूमिका। ● व्यावसायिक नैतिकता : अवधारणा तथा तत्व। **इकाई–7 : व्यावसायिक वित्त के स्त्रोत** ● व्यावसायिक वित्त की अवधारणा। ● स्वामित्व कोष : समता अंश ● प्रतिधारित आय : अर्थ, गुण और सीमाएँ।

नवम्बर 2016	• सार्वभौम जमा रसीद (GDR), अमरीकन जमा रसीद (ADR), भारतीय जमा रसीद (IDR)। • उधार निधियाँ : ऋण पत्र एवम् बाण्ड, वित्तीय संस्थाओं से ऋण, वाणिज्य बैंक से ऋण, सार्वजनिक जमा, व्यापारिक उधार, अंतर्निगम जमा (ICD)। **इकाई-8 : लघु व्यवसाय** • लघु स्तरीय उद्योग ''एम.एस.एम.ई.डी. एक्ट-2006 (माइक्रो स्माल व मीडियम इण्टरप्राइज डेवलपमेंट एक्ट)'' के द्वारा परिभाषित। भारत में लघु व्यवसाय की भूमिका, ग्रामीण क्षेत्र के संदर्भ में। लघु व्यवसाय के लिए सरकारी योजनाएँ और एजेन्सियाँ (राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम) तथा जिला औद्योगिक केन्द्र (DIC) विशेषकर पिछड़े ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों के संदर्भ में। **इकाई-9 : आंतरिक व्यापार** • थोक व फुटकर विक्रेताओं की सेवाएँ। • फुटकर व्यापार के प्रकार : भ्रमणशील फुटकर व लघु स्तर के स्थाई दुकानदार।
दिसम्बर 2016	• बड़े पैमाने के फुटकर विक्रेता - विभागीय भंडार, श्रृंखला भंडार, डाक आदेश व्यवसाय। • स्वचालित विक्रय मशील की अवधारणा। चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री : मूल कार्य। • आंतरिक व्यापार में प्रयुक्त मुख्य प्रलेख - बीजक प्रपत्र, बीजक, डेबिट नोट, क्रेडिट नोट, लौरी रसीद तथा रेलवे रसीद। • व्यापार में प्रयुक्त शब्दावली - सुपर्दगी पर नगद भुगतान (COD), पोत लदान निःशुल्क (FOB), मूल्य बीमा भाड़ा (CIF), भूल चूक

	लेनी देनी (E&OE)। ● परियोजना कार्य (सी.बी.एस.ई. के मार्गदर्शन अनुसार)
जनवरी 2017	**इकाई–10 : अंतर्राष्ट्रीय व्यापार** ● अर्थ, आंतरिक व्यापार तथा विदेशी व्यापार के बीच अन्तर : अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का अर्थ एवं विशेषताएँ, लाभ तथा सीमाएँ। ● निर्यात व्यापार – अर्थ, उद्देश्य एवम् निर्यात व्यापार की प्रक्रिया। ● आयात व्यापार – अर्थ, उद्देश्य एवम् प्रक्रिया तथा कार्य। ● अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में शामिल दस्तावेज : इंडेंट, साख पत्र, जहाज़ी आदेश, जहाज़ी बिल, मेट्स रसीद (नमूने तथा महत्व)। ● विश्व व्यापार संगठन (WTO) : अर्थ तथा उद्देश्य।
फरवरी 2017	**एस.ए.–2** (S.A.-2) **हेतु सहायक सामग्री के साथ पुनरावृत्ति कार्य**